बाथां में भूगोळ

(कविता संग्रै)

बाथां में भूगोळ

हरीश भादानी

धरती प्रकाशन

टीप

···थीडी नगरं रै

फाटी है

अतरी लावी जाड

दीसै बत्तीसूं दात

गगा रै पाट-सो हबोळा खातो

बाको बोलै' बोलै······

रेत रै समंदर रौ पांणी

खाथौ चाल रे

खाथौ चाल रे कमतरिया

देखलै सीव
पाछौ घिरग्यौ है
रभावतौ रेवड
      उठतै रेतड सू
कवळाइजै उजास
सुवी सिझ्या
मुहागण नी चढै कुवै
      भरियाई व्हैला
घडिया टीपाटीप
वैठगी व्हैला
हाडी क्ठौती माड
चाल' 'कमज्या रा धणी चाल
खाथौ-खाथौ चाल

ऊभगी व्हैला
थरकण थाम मघली
      अवळाई मे
दीसै कठैई छिया'''तौ
हावा पाडती भाजै सामै पगा
टेरा माथै टेर
भरताई व्हैला
तेजौ हरियौ मूवटी

जाणै उगेरी आरती
देख वा देख
सरणाटे री छाटी
झाडती उतरै
भीता माथै रात
राखैला आळा-आरा
भर दैली थाळी हथाळी
देवैली क्वा
जड दैली सगळा दूधाळा दात
खाथौ चाल
दीवै रा देवता
होताई चुडलै रै हाथा जात
संचन्नण हासी
चूलौ आगणौ
चाल
आखे घर री
उडीका रा एकल चित्राम
खाथौ खाथौ चाल
खाथौ चाल रे कमतरिया !

समंदर थूं : समंदर हूं

थू.........
मच चढियोडौ
साव उघाडौ नागो
दूर दिसावा ताईं
सूतौ दीसै...

नेडौ तो आटीज्यौ आवै
पडै पछाडा खा-खा
लूरलै मखमलिया माटी
झागूटा थूक जावै

बोलो नी रेवै एक पळ
घंघावतौ रेवै
सुणै है कुण
उछाचळी छोळा-सा
थारा बोल

थू.........
हंसतौ-हंसतौ
जवडा पसार
गिट जावै जाज
जूण री खातर
थारो पताळ छाणती
नावा, मछेरा
डकार नी लेवै
उडीका सुपना रा

जगता दीवा बुझाव थू

थू
कोई नी जाण
कण भुआळी खाय
रमयोळती बाडघा खिडाव
घरकोला ढाव
मार झपट्टा
तोड न मगळमूत

थू
नाग ना निरमळ नीर
चाखता
थू थू खारा
नाव ना समदर
अनम तक खारा
सभाव नागा !

अर हू
ऊपर सू हुळक कसरिया
म्हार हिय
पताळ
अमरा पाणी सू
तिरिया मिरिया
नारे री बाट जोव

हू
नूता देवू उतारू
खानी बारा
हूँ भरीजू
गावतौ गावतौ चढू
धरमजला धरकूचा
आवतौ दीसू
आयौ आयौ
नठ वा खीनी खोलै

अठीनै
हूँ खळकीजू कूड़चा-देगा
मैंदी मू राच्या
चुडलै सू भरिया हाथ वाजै
लडावै म्हनै
गावै 'पिणहारी'
थू · ·· ·
पाणी रो समदर
हूँ ···
रेत रे समदर रो पाणी
हूँ··· · ·
म्हारी वाड़चा रो रमझोळ
आख रो मोती
हियै रो हेत
वाथा रो वळ
चेरे रो माण
खेत रो सोनो
हूँ ··· ···
म्हारै आखै वास री
जूण रो वेली
दुखती रगा
मुखा मू फाटतो हेजड
घूमर···डाडिया···रम्मत
अर थू········
कतरा गुण-गोत थारा
वोल नी
घंधाखना घमडीराम वोल
अणथाये
पताळ रा धणी बोल ··
समदर थू··
क' समदर हूँ !

नित-नेम

थारो-म्हारो नित-नेम
आ, भळै वाथेडा करा !

खायली आधी
पीयली लूआ
पूछलै मूंढै लाग्योडी झूठ
रगड हथाळया
झाडलै परै चेंटीज्या
काळा-पीळा लेवडा
थारो-म्हारा नित-नेम
आ भळै वाथेडा करा !

बीज्योडी बाजरी
मतीरा, मोठा नै
लापा देग्यो काळ
आ, लूरलो
जाळ क' खेजडी रो डील
छाल नै कूट पोयला टिक्कड
सिजोयला सिणियो
बाधा, वधै जियाई बाधा पेट रै पाटी
थारो-म्हारो नित-नेम
आ, भळै बाथेडा करा !

आव चाला
राज रै सिरै-थान

वणै तमोळा मेडचा
अकासो माळिया वणै
आपा अडाण वणा
माथै ईटा चूनै रो भारो
नीचै चोथीजी जूण ढोवा
थारो-म्हारो नित-नेम
आ, भळै बाथेडा करा !

थारै-म्हारै
दुखा सू दूबळा दाला
पगोथिया साटता चढै रास
रास सू बाचै

थारै-म्हारै खातर
विधि-बिधान
नाख
वाता रै ऊडे भोभर माथै
नाखदै धोवा-धोवा धूड
थारो-म्हारो नित-नेम
आ, भळै बाथेडा करा !

चोथौ जारज

पूरब री पिरोळ
खुलता-खुलता
उडगी चिडकोली आख्या

रात्यौडी सोध
क्सी कुवाडा साभ
हुयग्यौ बयीर
धरती रो धणी

टुरगी लारै
काकी भोजाई
डाग रै सायरै वाबो

नी दीसै पाळ
खिडियौडी बाड
खत आया
कै आया उजाड

देखै एक नै दूजौ
निजरा रै
सूनै झरोखा म आगोतर
आगोतर ओ आगोतर

कसमसतै छोटियै
तरणाटी खा र

धणिया रोहा
गडै मागै
मगळा रै डीला
निरछ तड़पीजी
झ्याळपा मथणी
गोमण नाग्या
मठोठी दे'र बूझा,

माव उपाड़ा गेलणा
पगल्या-पगल्या
रमता-रमता
चुग-चुग पेरग्या
बैरी भाठा-डगड़
थप-थप देयनै
बिछाई गाभण माटी

हुँई-हुँई
हुँईगा वज्जर भींतें
पाडदी पाळ चाम्मेर
दातळ सूं भाज
सूखी सणाट झाड़या
खूट सूं खूट
चिणदी बाड़—
टीडो फावै नैं
अब पै ......
फावाई करणा पडसी
ऊभो गुमेज

टग-टगता हाफीज्या
सूरज रा सातू घोडा
मडै रा झाग झरग्या
डीला रै माथै
बूढ़ानै सूरज दीवो साख
हाया-पगां

आख्या नैं जोत
भळै रचायौ खेत
धरती रै धणो

आव्या मे हिलकै हेज नैं
निजर नी लागै
फाडै तावडै री
झळमळतै घूवटै री ओट दिया
ढाक खारटियौ
आई छोटोडी
दीवी टिचकारो

जाळ री छिया
वजबजतै चुडलै
थाळो विछा'र पुरसी
जतना री रोटघा-राब
निरिया-मिरिया
छाछ रो बुलडियौ
पेट रै पाण लागी
भीजी रसोजी तिस

बैठग्या सगळा
पगत जोड
हुयग्या उडीक
अवर्क" ...
अवर्क वैगौ माडैली
काळी कळायण आभौ

वाबो विछाण लाग्यौ
धोळै दिन
सुपना री लावी-चौडी चानणी
काले बोलैली
मिंदर रै पीपळ सुगनडी

अवकै ··· ····
अरडा'र पडैला आभो
"धाया-धाया बापजी"
धोकेला आखो गाव
फाटैला खेता मे
हरियो टाच सोनो

सासा री लीका पाडो
पाडता गया
गिणताई रैया
छाट री घडी

गाजणी-गरडाणी किमो
चं रै री छाव तक
नी छीपण दीवी
उडीकता-उडीकता
आख्या रै आगै
आया तिरवाळा

नी आई
आणोई नी थो बीनै
आई···मागण वा ही
धाडैनण आई
पैरयोडी
काळा-पीळा धावळा

भेज्या आगूच
एक रै लारै एक
आधळघोटा भतूळिया
वैयग्या
भूजाळो ग्या-ग्या·········

पड्योडी पूठ आई
टूआटा-गेंगाटा करती

आपरा गाभा फेंक
गाव रा टापरा
छप्पर पैर नाची

ओरा, बरसाळी
पाधरा करती
रडकी बियाई
रळकोज रळकी
मूनगी
आख्या काळजो
खेता री आता
दाडगी कूआ
छाटो तक नी रैयो
आसूडा रो… …

माटी री कूख मे
सोनळिया भळको दीसताई
मच चढगी धाडैतण
हेमाणी माटी सू
खूजा गोथळिया भरिया
फेरियौ झाडू
करियौ पणीढो ऊधो
धोवा-धोवा
नाखदी चूलै मे राख

जावती-जावती सूपगी
चोकलिये बैठी
झुरती माऊ नै
आपरो चौथो जारज

म्हारी हेमाणी जूण

हू वई
कोगे डूगर
झाल्योडो खभो
खजड़ो जाळ कै' आक
कै तळेचेठी ज्यो सिणियो
तूब री बन   ?

म्हारो उघाडो
पळपळतो हमाणी काळजो देखताई
सूरज री लाडसर किरना
उतरै करै रमझोळ
    दूर सू देखूं काच
कैवना जावै
वो रैयो पाणी रो छळावो

पाणी कठै है अठै
चोपूट पड़ियो है
सूको मून्याड
बरसा-बरसां
बादळ री लीरी तक री भी पासग •

माचो बाचा री देखी-कैयी
पण दीठ न दीग

सूकै सरणाट मे
जागतो बैठो
तावडियो साच
कै' बादळ रै बमू नी रंयी
म्हारी जूण
देखतो आयो है सूरज बाप
    म्हारा, हा म्हारा कमतर

धर मजला, धर कूचा
दिनूगै-सिझचा
जा पूगै पाताळ
भरलै बारे मे
खळ-खळ नाचदै देगा मे

आडा आयोडा
काच उतारै दीठ
म्हारै पणीढै
कासी री थाळी
म्हारी आख्या मे झाकै तो दीसै
नीलम आभो
आभै पमरघोडी हरियल बेला
बेला मे पाणी
पाणी सू तिरिया-मिरिया
म्हारी हेमाणी जूण

तिरवाळा तावड़ै रा

धम-धम बाजी
सईका बाजी, बाजै अजू ही
पण नी फाटचौ म्हारौ काळजौ

पुनियौ पोनीजै
काळ रौ कळमस चेरै
आख्या मे पीढ़ियौ ऊधीजै आए साल

रेत री पाख्या बैठ देख्या
अठी-उठी रा खूट
मं'रा ग मैं'र नाप्या,
पूछचौ चलवा-चैंजारा रो
गादी ओपता मैणा नै
म्हारी जूण मू आध्या
कद ताई ? रैला खेला
आगळी सू लीकी जकी
नैर री मरोड
कद हुवैला ऊभी पाळ
म्हारा आगोतर गिटतै
विना दाता रै बाबी सरीखे
वाकै आगे कद लागैला डाटौ

वडका री दीठ मे
दीस्यौ रातीदौ

म्हे ही लपेटी
नूलै री राख री पाटी
पूरवला धोता-धोता पडगी चादघा माथं

दीनी समदरियै पूठ
वी दिन सू
पछवाडै पडियौ वळपोजू
पूरब-सा सोवता धणिया
की तो बोलो।
कनरा सईका आता रैसी
म्हारी आख्या मे
तिरवाळा तावडै ग ?

औतार जाम्या

जद जाम्या औतार जाम्या
मघमनिया डूगरा
धोळा पाडा-सा
भाठाआळी धरती
    रज्जी नी लगी
वारी पगथळघा रै
आध्या मे फूस नी रडक्यौ
कवै मे कोकरू आणौ कसोव

सिर धोक्या
पूरवला धोया ऊमर ऑसीजी
आगोतर घडिया
    चरणा रै धोवण सू
आला-गीला
चढियोडी तुलछी-मिसरी रै
छत्तीसा भोगा सू
उफणतौ आफरो

मिरीमुख री वाण्या सुण-सुण
जूणा पर जूणा जीया
काधा रै तमोळै ऊभी
आगळी बताई सीध
    जुग चाल्या
त्रिलविलता चालताई रैया
घर मजला नै घर कूचा नै घर मजला…

सूठ रा गाठिया भाग्या विना
अजवाण री
फाक्या गिटिया विना
गोरी गाय रौ
चूटियो चाट्या विना
जतगे नाखीज्यौ
मानीज्यौ कीडा नगरो
घूड रै झाल्लोडो
आभै पटक्यो व्हैता

म्है नी जाणू
कुण ही या वेमाता
जो पर धणी
धणियाप नो घणाई रैया
पण पूरा सू
परोटणआळै आदमी नै
जद-जद हेला पाड्या
देवळचा
हाता गया औतार
दुखता काना मे सीच लैता तेल
माडणा मडचौडी
छाता मे फसा'र दीदा
गैर गभीर होता
डवडवता देख्या करता
खाया ई खायाआळै
कीडीलोक रा चितराम
अमूजता उफत्यौडा
वरदान रा
उठियोडा हाथ जडता
काच रा किवाड नै जाळचा-भरोखा

हू ऽऽ जिलम्यो आखडियो
मरता आग्रडनो

आयडता-आयडता
भणियो-गुणियो
अवर्क तो बोलतोई
चामडी-जर फाड पडियो
पडताई चालण लाग्यो
हूं सुकदेव···
कै मौसम री मार सू
गरभ ठेरे के कूख फाटै
भळै औतार जामै

चालता-चालता
जुगा रा काधा घसीज्या
डागळा-तमोळा
थोडा नीचा पडग्या
पगा नै
पगोथिया वणा'र
छाती ताई आ चढियो बीडी नगरो

औनाग री मामा अमूजी
धडक्को उपडियो जद-जद
धावणी पडी
पाकी उमर मे
सठवा सूठ
तवै तळनी पडी अजवाण
लोटडया ऊघावडी पडी चूटियै री
थाळया फूटी
थोथ रा ठाव नै
गळा पीटीज्या
भळै जाम्यो मायड औतार

पण किणी नी देख्यो
म्हारी जामण रो
जापो-स्वाद

भूगडा-फाका सू करती मासवो
मूढै रै माथै चिणती
खोखरे दाता री भीत
अकूरडी रै आसरै पसरती
म्हारी जामण

सम्हळाया टाट छीतरा फरोळ
गोडा घसीट
ऊभता-ऊभता
तडग हुयग्यौ
छबीली घाटी रै
धूडी-मोडै
पेट री ताल्या मे
गुलगाठ्या घालतो
मुकदेव बोलू सुणज्यौ
सुणज्यौ धरमा रै
धोरा सू जाम्या
औतारा सुणज्यौ
कळजुग री कळा लगा'र
चालण लाग्यौ है कीडी नगरो

म्हारे माय म्हारे बारै
पूरव-पच्छिम
दिखणादे-उत्तर चारु मेर
कीडी नगरै रा
लाग्यौडा थागो-थाग
थारै काना री ठेठ्या काढण
उठग्या हाथा नै
ले'र हाका
सुणज्यौ की थमता सुणज्यौ
जुग रै माथै रा मोड
गैवता आया
टाणा-ठिकाणा

देवळचा-भोपा मुणग्यौ
रेला-पुळा सू
वेमी सानरो
सैंतीरा हुयग्यौ
कीडी नगरो बोलै" बोलै"'

थारी छोडचौडी झूठ—
तुलछी-मिमरी सू
भभका मार नी चालैला अवै
ओझरचा रा इजण
हयाळी
हुयगी है हथ्याळ
नी पसरैला
नी हुवैला अवै आला-गीला
सूखी-वणाट
ठाठचा रा ठट्ठ
थारै चरणामत सू
नी वणाण देला
वाधा रै माथै मेडचा-माळिया

वोलतो-वोलतो चालै
"म्हारै परवार नी वणैला अवै
कैरोई इतियास
चेतो वापरग्यो म्हनै
वीकर तोडीजै
काच रा क्विवाड नै जाळचा-झरोखा
हार्फे थरपीज्या धणिया
आप्या उघाड देखो
कीडी नगरै रै
पाटो है
अतरी लावी जाड
दीमै वत्तीसू दात
गगा रै पाट सौ

हवोळा खातो
वाको बोलै…बोलै……

मानखै रै नाव रौ
लिखायो पट्टो
खोलणोई पडसी
पोथ्या-तिजूरचा मे
राख्या इधकार
म्हारै हाथा मे सोपणाई पडसी
म्हे भरियो है
बाथा मे भूगोळ
म्हारी कमज्या रै माथै
म्हारो·· हा म्हारौ
धणियाय रैसी

पूठ री घोडी चढिया
वीन राजा
माटी रै माथै
फूठरा-फर्रा पगल्या
माडणाई पडसी
जद जिणसी
माणसिया जिणसी मायड री कूख
देवळचा सऊकार
ठकराई रा होकडा
नी चढैला अबै चैरा रै माथै
मिनखा रै परवार मे
सगळा री हाती-पाती
बरोबर रैसी
मिनखा रै नाव सू
बाजैली धरती
नै देस नै आखी दुनिया

सूकै अकरै तावडै
हाड मास रा बोल
रगडचा सासो सास
जगै हगडता हूणिया

आखर तो खीरा जिसा
चुगता लागै डाभ
आला लीला वाळ
जगरो तापै हूणिया

आखर रो सत ऊजळो
आखर रूप अकूत
आखर-चेतौ एक
हिरदै धारै हूणिया

आखर जुड बोली बणै
बोली उपजै हेत
हेत जूण रो सार
होठा राखै हूणिया

हेत हियै मे ऊपजै
हुवै रगत सौ लाल
उगटै हुवै हजार
रातो एक न हूणिया

घू नी जाणै हेत रो
बारखडी रा अर्थ
आखर लिखै अणूत
अबखो मार्ग हूणिया

थै नी देखी मावडी
थै नी देख्यौ बाप
हेलाहेल मचा'र
थूक बिन्नौवै हूणिया

हर तव गिटलै हेत री
जीमै मसळ पिछाण
लेवै नही डकार
कासारोगी हूणिया

दिन मे तो चैरा गुमै
हर गुमज्या अधार
सै'र है क सून्याड
थू कई जोवै हूणिया

हेत हबोळा खावतौ
लैरचा लता बोल
कागा भर-भर चोच
झील निवैडी हूणिया

जारै हाथा माडिया
सास रच्या चितराम
उगटचा उगटचा ले'र
चढचा हाट जा हूणिया

आख्या खातर माडिया
आख्या मू चितराम
एकलखोरी बाण
राख लीपगी हूणिया

ग्रण-ख्रण करतै तेल सू
चलै गिस्त री रेल
छाडा आखर ले'र
वण्यो डलेवर हूणिया

पाणी झुर झुर सूकग्या
रेत-कवळ रा नैण
देख्या सूना डैर
उग्या काकरू हूणिया

बसका सू जूंणा भरी
जी निसखारा नाख
कद लेवैला एक
सास नचीती हूणिया

मनचतर तो नापिया
पगा पायडी वाध
कद लेवैंनी सास
एर निसाई हूणिया।

हुयो गिस्टियो मानखो
घस एड्या घस हाथ
कुण रीना ए डोन
पूछै दाना हूणिया

जका न देखी कळपनी
चौनी थयापकळप
आखर रच्या अणून
आग्या मीच्या हूणिया

धूसा साथै बाजता
गढ कोटा रा बोल
गाजै माड अडाण
नूवा राजा हूणिया

पैला राणी जामती
अन्न जामै सदूक
सागी राजा राज
गाभा बदळ्या हूणिया

पाचै बरसै जेवडा
लटकै बजै चुणाव
लोकराज रै मैं'ल
लूठा पूगै हूणिया

बिना निसरणी रा वण्या
लोकराज रा मैं'ल
देखै आख्या फाड
"सैचासैं" सू हूणिया

हाका करता रा फटै
पेट काळजा रोज
बदूका कानून
तीवा देवै हूणिया

भापणआळी मील्ल मे
रोज बुणीजै थान
मसा आदमी दीठ
खफण लगोटी हूणिया

गोठ योजना री करै
सोनो रूपो राध
चाखण मे सौ जीम
झोळ पुरसदै हूणिया

वटिया आलू प्याज रा
उडना तिरणा जाज
देखं चकरीवम्म
हवा खावता हूणिया

खुरसी री चरभर रमै
खेवट पगत जोट
लोकराज री नाव
हवा भरोसे हूणिया

गूगी खुरसी दावलै
सुरता वोली दोठ
विना डोळ रो देख
मिनखाचारी हूणिया

कळ पुरजा हाका करै
गोखं वया हिसाब
फडकं जद-जद होठ
जडै किवाडा हूणिया

सीटया खुभता ही जगै
भाजै पहिया होय
फिरै थाकंनो लाद
थरकण नापै हूणिया

हाकम री हालै कलम
    दिन रातीदो होय
लुळ-लुळ करै सलाम
    रात तावडो हूणिया

हाकम री आख्या अजब
    वाचै घोर अधार
तावडियै सौ साच
    लगै फारसी हूणिया

छाट एक नाखै नही
    वैठै माडचा बूक
इदर रा ए डोळ
    देखै रेतड हूणिया

सीयाळै मे नापलै
    ग्गड हाड सू हाड
ऊनाळै उकळीज
    ठरै पसीणे हूणिया

गिट सीयाळै डाफरा
    लू ऊनाळा पी'र
आया जुग-जुग जी'र
    जुग-जुग जीसी हूणिया

गाभण हुयलै छाट सू
    वाझ बाजती रेत
जामै हरियल टाच
    मोठ बाजरी हूणिया

बिछा जमी नैं पसरलै
आभो लेवै ओट
राता गीला होय
दिन मे सूरं हुणिया

आभो आरो अगरखो
तावडियो है पाग
हवा अगोछो हाथ
रेत पगरखी हूणिया

मोठ बाजरो मूग गऊं
रळा वणावै खीच
आग उघाडी गात
सुगं कोवरू हूणिया

मीजं यर्द न कोरड
राघ कियाई खीच
दाना नठं दळीज
जीभ छोलसी हूणिया

लीला लीला चरण री
पडो जभा नैं थाण
एकर सी तो धान
भाठा पुग्गा हूणिया

मीठा-मीठा नेपम्या
वाजार मोठ मनोर
एकर सूधा वीज
भूख जीमनो हूणिया

पीता गिटलोई रयौ
    न्याया घणा घमोड
की तो सास उपाड
    रोळा करलै हूणिया

कवळा कवळा तोडिया
    ठरिया लिया मटार
लगा आगळी देख
    खण खण उकळया हूणिया

आता वळनी आग नै
    लीधी हाथा थाम
फिर-फिर चारुमेर
    लाय लगासी हूणिया

लीला मडसी काळजै
    खुभसी वूठा बैण
राख्या एक उडोक
    जीतौ जाजै हूणिया

म्हारी आप्या सू उडीक
    थारा हुनरी हाथ
सासा लियै परोट
    बजै हरावळ हूणिया

तन थाकै वेगो घणौ
    तन रा ओछा लाभ
चालै मन री चाल
    अण थकिया ही हूणिया

आभो बाध अगोछियै
    नदिया आडी पाळ
माडै घर परवार
    सिरजणहारा दूणिया

आध्या उमट उजाड दै
    गिटै ताडका बाढ
फिर-फिर निपजै जूण
    सिरजणहारा दूणिया

भाठा तीरा तोप मू
    मच्या घणा घमसाण
जीग्या परलै बीच
    मिरजणहारा दूणिया

जका पळीता बाळिया
    बानै बाळ्या काळ
जीग्या काळ अकाळ
    सिरजणहारा दूणिया

जात-पात पूछै नही
    देवळ अर रमूल
धरम टगोरा बैठ
    राह रचावै दूणिया

गाच न बामण-बाणियां
    ना तुरकन ना मेद
आग्यो एकन गाच
    मिनखाचारो दूनिया

थू करणा री आंख सू
    दूजा रा दुख देख
दीसेला साच्छात
    मिनखाचारो हूणिया

मंदिर मस्जिद खोजता
    रीनी उमर गवाय
हियै बिराजै मात
    खोल किवाडा हूणिया

…रचियोड़ै सबदां रो अरथ बाचतो
धाम्भेर सुणातो
घर, मजलाघर कूंचा धान
घर कूंचा, घर मजला धात…

बोलै सरणाटौ

बोलै सरणाटौ

ऊभा चारू खूंट
धुए रा डूगर
बोलै सरणाटो

डरतौ उगै डरचौ बिसीजै
इकटगियैं वधियोडौ
एकल सूरजडौ
साखी ही गूगो
जद कूण भणै
लोहै रा कागद
बौलै सरणाटौ

हाथ पखारै आख चुगै
माणक-मोतीडा
धोरा रै समदरियें
परवा-पछवा
उतर-उतर फरै आध्यारा झाड
होड करै धीरज री सासा
किया करै गोफणिया हाका
बोलै सरणाटौ

पगा मडोजी
डामर री दुनियावा पसरै
मोडै मोडै

आगण ओढी लाज सम्हाळै
फाटचोडो थाकेलो
रोटी रो चदोमामो देखण नै
पथरावै सोनल सुपना
राज मजूरी राजा करसा रा
रोळा ही रोळा····· ·

कुण देखै
कूण सुणै
चूलै रै सामै वजतो चूडो
बैठा मिनख मठोठचा खावै

थारै लांवा जोड़ूं हाथ

थारै लावा जोड़ूं हाथ
उनाळा थिडी-थिडी कर ऊभ
पगलिया लेलै रे

थारी मावड लू वळता धीरा सू
सीची सगळी रेत जी
थारी आधी बैनड रा रोळा सुण
हरया रसिया खेत जी
पालसियै मे जवरा पूजू
क्वारै हाथ क्ळसिया ढोळदू
म्हारो जतना चीत्यो थाळ
तीज रो घो सीज्योडो खीच
आमली लेले रे
थारै लावा जोड़ूं हाथ .....

म्हारी भातो लेजाती भावज रो
रूडो रूप ममोलियो
कोठी तावडियो भरै चूटिया
घुरडै घिरै भतूळियो
जे तू बोलै वैरी थारै
ओळा और मखाणा घोळ दू
म्हारै डोवै राधी राव
राव मे मोठो-मोळी छाछ
सवडका लेले रे

थारै लाबा जोड़ू हाथ······

म्हारो अणमण पिणघट खडो उडीकै
सोनलदै पणिहार नै
म्हारो खूटी चढियोडी ईढाणी
जोवै है सिणगार नै
जे तू बोलै तो चौभाटे
रोटी पेडा ढाळ दू
म्हारै आगणियै रमझोळ
मटक्या माडयोडी अणमोल
उतारो लेले रे

थारै लाबा जोड़ू हाथ
उनाळा थिडी-थिडी कर ऊभ

हेलो पाड़ रे

बास-वास मे हेलो पाड
धूडीमोडा हेलो पाड
मेघा राग उगार रे, घर-घर हेलो पाड रे
इन्दर आज पखार
इदर आज पखार म्हारा वीरा
फिर-फिर हेलो पाड रे

आभो उमस कसीजैला
वादळिया परभीजैला
थू खुरपा कसी सभाळ ढाढा नै टिचकार
भाज्यो खेता चाग रे
सिणिया बूझ उपाड
सिणिया बूझ ऊपाड म्हारा वीरा
माठा नै मचकाव रे
घर-घर हेलो पाड़ रे

छाटचा छिर मिर नाचै
हिरण्या-मोर कुळाचै है
थू पग-पग माटी बीज लै गोफणिया साध
मेड्या खडी रूरखाळ रे
रोटी-राब मठार
रोटी-राब मठारा म्हारा वीरा
भरी डकारा गाज रे
घर-घर हेलो पाड रे

सुण रमझोळा वाजै है
घूमर रमती लाजै है
थू कोछा ऊचा टाण उठजा ले हूकार
ले लारै परवार रे
पाकी फसल्या झाड
पाकी फसल्या झाड म्हारा वीरा
छाटचा भर-भर बाथ रे
घर कोठा मे धान रे
मन री अमी पकीजो है
हरिया-टाच मतीरा मे
वासा-वासा हेलो पाड
धूडीमोडा हेलो पाड
पचायत री चौकी वैठ
मिसरी-सी गिर बाट रे
पाणी पी'र डकार रे
घर-घर हेलो पाड रे, फिर-फिर हेलो पाड रे

आखर बोल : आखर बांच

आ लिछमणिया आखर बोल
आ रे गामेडी रुघपतिया
कळमस री पाटी रै माथै
उजळा-उजळा आखर माड
माडयोडा अखरा नै वाच

आखर री आख्या नै दीसै
घर मे वारै
मन मे कतो अंधारो

आखर लावा हाथ करै
तिडकावै तौडै
हियै जडयोडो ताळो

आखर बाळ अधारो
दप-दप दीपावै
मन-आगण
ए ही वे आखर
बाण्या बोलीज्या
ए ही आखर वैद मडीज्या
ए ही पोथी लिखियोडा है
वाणी और जूण रो सार आखर
आ लिछमणिया आखर बोल
मधिया-किसना आखर बोल

आखर देवै
कसी समै री
पूरबला परखीजै

आखर हाथ लिया सू
जूण-जूण रो
आगोतर राचीजै

आखर है जगळ रा मगळ
आखर मे मगळ रो राज
आमै जुगा-जुगा रो साच

थू थारै जुग रो सत बाच
थू थारै जुग रो सत माड

आ गोमेडी आखर जोड
आ सैराती आखर माड

चाल रे चाल

चाल रे चाल
गाव रा करसा चाल   चाल
            संराती चाल
धर मजला, धर कूचा चाल
धर कूचा, धर मजला चाल

ले आ पाटी
ओ लै कागद
वरतौ थाम, क
ले लै कलम दवात

आखर माड
आखर माड माडतौ बोल
बोल बोलतौ
आखर जोड

आखर-आखर सवद रचातौ
रचियोड़ै सवदा रो अरथ वाचतौ
चारूमेर सुणातौ
धर मजला, धर कूचा चाल
धर कूचा, धर मजला चाल
चाल रे चाल
गाव रा करसा चाल… चाल

सैंराती चाल ।

अरथा मे
उगटं उजास
ओ उजास
आख्या । आज

आज आजतो
वाळ अधारो
वळमस वाळै

चारूमेर
हियै आख्या मे
विया चानणो
धर मजला, धर कूचा चाल
चाल रे चाल
गाव रा वरसा चाल   चाल
सैराती चाल

करसा बोल : मजूरा बोल

करसा बोल हाळी बोल !
मजूरा बोल !

धरती थारी
थू बीजै है
थू सींचै है
निपज्योड़ो धन
थारो ही है
आ वा सगळी थारी कमज्या
थू धणियाप जताती बोल
भल-भल
थू धणियाप जताती बोल
करसा बोल ! हाळी बोल !
मजूरा बोल !

कुण आया हा
किया लगाई
मन रै आडी
कूण बाधग्या
दो हाथा नै
थू वा साकळ खूटी खोल
तड़-तड़ साकळ खूटी खोल
करसा बोल ! हाळी बोल !
मजूरा बोल !

सैंराती नैं
वरसा ताई
आय उडीकी
छा छीपण नी आयो कोई
छोड उडीक
भुजा भरोसैं बोल !
जीवट भुजा भरोसैं बोल !
करसा बोल ! हाळी बोल !
मजूरा बोल !

पौ फाटैं सू
सूई सिझया
खती खडतौ
लूआ पीता
तकली माथै
सूतो साध्या
खाट-खटुली
मूज माडतौ
माटी खूद
माटी खूद खूंदतौ बोल
चाक फेरतौ
घडिया घडतौ घडतौ बोल !
सिस्टी रचतौ
परजापत-सौ बोल !
आडी-तिरछी
लीक माडतौ बोल
गैरी-फीकी गेरू रगतौ बोल !
करसा बोल ! हाळी बोल !
मजूरा बोल !

लै चिणियोडौ
लादो-भारो

मगरा छाटी
कदैंक माथै
ले धारटियौ
सीवा माथैं सीव नापतौ
सैंरा माड पगलिया बोल।
गाव रा थभ
थभैं सरसौ बोल।
करसा बोल। हाळी बोल।
मजूरा बोल।

चूलै-आगण
आख काळजै
खेता धोरा
आध्या लूआ
घणो बाजती
कमज्या सुपना
जीव खायगी
की तौ करडी
आख देखतौ बोल।
ऊभ, नुवैं उणियारा सामैं बोल
था रै सिरसा
ए उणियारा
क ऊभी आडघा
ओळखतौ बोल।
उत्तर पड तर देतौ बोल।
करसा बोल। हाळी बोल।
मजूरा बोल।

पूरब री किरना
भरम कतरगी
पांटीजी पगता जुडगी
मिनख्या मजरा-करसा

पाडा री मोच निकाळी
माटी रा पाणी बोल !
पाटा रै परिया
थू हबोळा खातौ बोल !
करसा बोल ! हाळी बोल !
मजूरा बोल !

थू बूझा री
बूठ वाळतौ बोल !
वळचा काळजा
ठार ठारतौ बोल !
थू गावा रा
पगल्या होतौ बोल !
थू गावा-सैरा नै
पगल्या देतौ बोल !
गण सू मोटो
गण गण गुणतौ बोल !
करसा बोल ! हाळी बोल !
मजूरा बोल !

''आड्या कलमा सूं जका
नीवा बजाई ठोकी
माळ रा जडिया
किंवाड पड्या'''

दे हूंकारो हूणिया

दे हूकारो हूणिया

हामजो — तू कुण है भाया
अठै क्या बैठो गोडी ढाळ
अठै के काम थारौ
अठै तो अठैई

हूणियो — कई लगाई अठै-अठै
अठै नी कोई थान
नी भाठो भैरू थरपीज्यौ
जाणै कुण
झाड पूछ्यौ चौकलियो
अठैई है रातबासो म्हारौ

हामजो — आयो वडो कमतर्‌यो
करसी रातबासो
थारै खातर नी लीप्यौ पोत्यौ
है कुण तू
थारो नाव बता तो·

हूणियो — नाव रो कै वट लेसी ?
हू तो हूणियो हू

हामजो — ओ कै नाव होयो

एडो तो नाव
म्हे नी सुणियौ पैला
देख्योई कोनी कठैई
नाव तो बता सही-साचो

हूणियो नूवोई आयो दीसै
म्हनै जाणै है आखी दुनिया,
हा, जकी आख्या रै आडा काच
वै नी जाणै-पिछाणै
पण हू हूणियो
भल-भल हूणियो

हामजो सावळ बोलैनी भाया
क्या आडी घालै
अठै क्या गोडी ढाळी
ई चौकलियै
नाटक्या आसी
नाटक' डरामो' 'समझ्यो
तमासो करसी
हाऽऽऽ तो कई नाव थारो
कै जात थारी

हूणियो कान है'क बेजका
बतायो नी हू हूणियो
साव साची हूणियो
अर जात म्हारी...

भजनिया "हिन्दुन की हिन्दुआई देखी
तुरकन की तुरकाई
कहै कबीर सुनो भाई साधो
कौन राह हम जाई
अरे इन दोउन राह न पाई

कबीरा दोनू राह न पाई

हूणियो छाटो पड़ियो'क भळै सुणासी
आदमी तो दीसेई कोयनी
चाल्यो है, जात गोत पूछण, हाऽऽऽऽ

हामजी पण भला मानस
अठै अबार मोटधार आसी
तू थारै ठोड-ठिकाणै जा
नाटक मे
थारो कई काम
जात-गोत पूछी पिछाण सारू, ना वता
जात तो हुवैईज है
हमै अठै सू जा
थारै ठोड ठिकाणै जा

हूणियो बोलो रैं बोलो रैं
आयो बूझाकड
जात-गोत "गोत"'जात
भेजवा खोल'र सुण—
म्हारी नी जात कोई
ना कोई गोत म्हारो
ठोड म्हारी ।
आ धूणी'क दूजी धूणी
पूरब-पच्छम, दिखणादे-उत्तर
चाम्मेर रा सैरा-गावा मे
म्हारो वासो
इकटगिया मैना नीचै
आ हाडा सू घसीजी
मुआळा सू चिप्योड़ै
गडा रै आमै-गामै

घास, वास, टाट रा
किलबिलता किल्ला म्हारा ··,
ओरा मे, गुभारा मे
बिला मे, सुरगा मे
मसाण-अकूड्या माथै
मिदरा-मसीता
गगा घाट रै पगोथ्या माथै
जिलम्यो, जियो क
जिलमै, जीवै हूणियो

मजुरां रा टोळ हइसा-हइसा
हइ-हइ हइसा हइ-हइ हइसा
हइसा-हइसा
दोनू हाथा भाठा कूटा
पगा घूमरा माटी खूदा
कुण खूदै म्हारा काधा नै
दै गिणती रा पइसा
हइसा-हइसा
हइ-हइ हइसा हइ-हइ हइसा

करी मजूरी गटकै दाढी
चोटी जीमै ले'र सबड़का
करा भूख सू बाथेडा
म्हे खावा रोज भचीडा
हइसा-हइसा
हइ-हइ हइसा हइ-हइ हइसा

म्हे आखी ऊमर रा चाकर
तावडियै ठरियोडा ठाकर
लाज्या मरघा जिनावर भाजै
म्हारा देख कळाप

पण म्हारे वाका मे उकळे
हइसा-हइसा
हइ-हइ हइसा . हइ-हइ हइसा

हूणियो ताका तोला कई करे
सामे देख सामे··· ··
ओ खूट···वो खूट
घूडीमोडा·· पिछोकडा देखतोई जा······
सडका माथे, गळी कूचळा
चूले आगे, चिमन्या नीचे
भट्ठया सू हवाई करता
पेट रा तवूरा
ने ठीकरघा वजावे
'मा' भारत रम्मे आठू पोर
वा खाप म्हारी
वो फोज-फाटो म्हारो
इक्सार जारा डोळ
सगळा हूणिया
हू बारे मायलो हू णियो
है म्हारो नाव हूणियो

हामजो आपरोई दळियो दळसी
की म्हारी सुणसी
अठे नाटकिया आसी अर तू
बैठो है बीचोबीच
वे खेलो करसी
तू थोडो सो परिया बैठ
इनोई तो कयो तने

हूणियो हा, भइ, कयो तो इनोई······
नाटक होसी···मोटयार आसी···
बोल्गगर्द तो···!

नवीर साव तुलछीदास जी भी बोलारा हा
नजीर साव हा
ए कैरी खाप रा बोलारा है…
नागर, भारवा बोलंला कै मारू, डिंगल
बजासी की कडी तबूरो

गेरिया सूकै अकरै तावडै
हाड-मांस रा बोल ··फकीरा
रगडधा सासो-सास
जगै हगडता हूणिया···भइ

आखर तो खीरा जिसा
चुगता लागै डाभ·· फकीरा
आला लीला बाळ
जगरो तापै हूणिया···भइ

हूणियो म्हनै परचा वंठा'र
डरामो करसी ! देखू, म्हारै परवार
प्रगटचा कैडा नाटकिया
म्हनै टाळ करसी
किण भात रौ तमासी

हामजी कुतरक ना कर
तमासो तो तनै
समझाण सारू कयौ
असल तो नाटक है 'आधो आदमी'
गजव्र राज रै लिख्योड़ो
नूवी ऊमर रा भणिया-गुणिया
चतर खेलारा
खेलसी 'आधो आदमी'
तू तो देख्या विनाई करै टर्र·· टर्र···

हूणियो हू करु टर्र-टर्र
थारा साथीडा करसी
आधे आदमी सू खेला
    अर हू करू टर्र-टर्र ...
कठै हुवै है आधो आदमी
म्हे तो कदै नी देख्यौ
    थें देख्यौ है कई

हामजो म्हे तो की नी जाणू
नाटकिया-लिखारा रौ ओ काम
    हू तो ना लिखारौ ना नाटकियो
वरसा सू बेल्हो, एकलो
आ म्हनैं परोट्यौ
    तू म्हनैं आरौ बदोवस्तियौ समझलै

हूणियो हूऽऽहू भी तो अबै समझ्यौ
    अपणापै रौ मारचौ
गूगी टाड है तू
लूरे सू चालै-जीवै
भलाई हुवैला थारा साथी सगी
पण मिनखाजूण रे पेटे मे
    मोटचारा रै मूटै सू
आधे आदमी री बात
म्हनैं तो घणी अवखी लागै ....
    लै, देख, पैला तो तूई देख—
दीदा रा दीया वाळ
घुल्नै चोभाटै
गाव सावत ऊभौ
मिनखाजूण रो नमानो हू हूणियो
जान-गोन भगळाई एरै मागै

नाव म्हारौ हूणियो
म्हारी जात हूणियो म्हारौ गोत हूणियो
काना री ठेठी झाड सुण रे
स्याणा चत्तर तो म्हनैं
देख अणदेखौ कीनो
आफरो चौढचोडा लागा
म्हारा घणाई लुक्खा लाड करिया
अणूती सीखा दीवी
नैं भोजपत्तर लिखियो

पंडत "सर्वधर्मानि परितज्य
मामेक शरण व्रज
अह त्वा सर्वपापेभ्यो
मोक्षयिष्यामि मा शुच"

हूणियो मोख नी मिळियौ, मिळिया
भुजवळ रा घणी
म्हारी नसा उत्तारी
म्हारै काळजा नैं छेक
परखी तरवारा री पाण
म्हारा वीरा

धीरज रै साथै ऊमर खूटी
बारा माथा तरणीज्या
खाई मठोठी हाथा, उठग्या
वणा'र भीता काळजा री
वा सगळा नैं
पाधरा करतौई आयौ
लस्कर राज रौ
खेटर सू खूदचा हाका हाड
बजाया वैरीसाल नगारा

म्हारी खाल रा……… …..

गंरिया राख राज री देग में
पका काळ रं भट्ठ…फकीरा
करियौ मैणामेण
मिनख जमारौ हूणिया…भइ

ह्यौ गिस्टियौ मानखौ
घस एड़चा घस हाथ…फकीरा
कुण कीना ए डोळ
पूछै दाना हूणिया…भइ

जका न देखी कळपती
चीती काया कळप ‥फकीरा
आखर रच्या अणूत
आख्या मीच्या हूणिया…भइ

हूणियो ए हाल देख्या हूणिया रा
हैमायता रैं हूक हाली
मरग्या घणाई भैंसाण खा'र
पल्लो लगायौ जका
वारी बळगी आगळचा
पण जुग री सभता रा खभा
जका हूला'र देख्या
आख्या-कलमा सू जका
नीवा बजाई-ठोकी
काळ रा जडिया
किंवाड पडग्या
बेडचा खणकीज टूटी
सैचन्नण हुयग्या
म्हारा कळाप नैं काळपती जूणां

अघोरी लोई सू माडणा पडिया चितराम
'फासी रा तखता'
'आदि विदरोही'
फूचक-फारटजी नै
चेखौजी-गोरकी नै
उतारणी पडी आप्या सू
हूणिया री
होणी री आखरमाळ
लिखारै पेमचन्द नै
जकाई बाची
किचरीजी जीभ बत्तीसो नीचै
घटणावा री घट्टी मे
पिसीजतौ ई आयौ है हूणियो
उडती फाक, किरकिर तो
देखी व्हैला
ओ वोई है हूणियो

हूणियो भाठा सू होती आखेटा
हू वी टैम जिलम्यौ
वेदा मडीज्यौ
करी टीकावा रिसिया
भात-भात राख्यौ
म्हनै पुराणा
सकर-रामानुज आया
तिलकजी-गाधी आया
पाठा फोर
फोर पाठा वाच्यौ म्हनै ई
बाचणो जाणेतो
थे भी बाच्यौ व्हैला
की समझ्यौ व्हैला

ज़ूरा रौ टोळ हू के वाचू जोगिया !
भळकोई भळकौ
देख्यौ आखरा रौ
म्हारै सू वोळा आतरै
पोथ्या रा डूगर जोगिया !

आखै दिन
फावडो-करणी वाचू
रात नै टाट ओढया
कुरळाता हाड वाचू जोगिया !

लारलै जमाने मे
अखाडे रा लूठा कवि हा
सरसुत वैवती मूढै सू
थैं भी तो
सुणी व्हैला जोगिया !

अघोरी अणभणिया घोडे चढै भणिया मागै भीख
थे तो मती भणिया
थे म्हारी सुणिया—
मिंदरा मसीत रा धरमराज जी
तखत विराज्या
रामराज जी
मोको पडिया आ दोना नै
राख आंट मे
धनपतमलजी
अजू तलक तो
वळपडती लोकां पाडी है।
गुड री बातां रया कंवता
पण गूगां
देख्योई कोनी

ऐड़ खा'र
हुया औतार-गुणीजन
रग-बदरगा झीणा कागज
साटचोडे मजे रौ
गेडो दे'र कैवता रया, उडाओ
सुपना रा किन्नाई किन्ना
लडो-लडाओ
पेच ढील में········ ·
किसाक वणिया
खूब वणाया·· ···दूध सू
बाळचौडो हू ···· ·····
भल-भल कैवू
थे मती भणिया
थे म्हारी सुणिया

हूणियो आ ' आही तौ ही बा कैवत
म्हारै कानाँ मे पडगी
डूजा दै दाब राखी
रगा रमाई
वो दिन'क आज दिन है
देखलै·· ···ऊमर पलटी
जमानो पलटचौ, सोचण-
परोटण रौ वैवार पलटचौ
नी पलटी
लखणा री लाडी
म्हारी समझ नी पलटी
छबीली घाटी सू
आचळिये फळसै री
फेरधा देवै आज ताई
ई सू आगै

हू ई रयौ रै बीरा
कौरवा रौ बाप
गठजोडो काकर खोलती
म्हारी सती लुगाई

गेरिया खण खण करते तेल सू
चलै गिस्त री रेल फकीरा
छोडा आखर ले'र
वण्यौ डलेवर हूणिया भई

पाणी झुर-झुर सूकग्या
रेत-कबल रा नैण फकीरा
देख्या सूना डर
उग्या कोकरू हूणिया भई

लीला मडसी काळजै
खुभसी वूठा वैण फकीरा
राख्या एक उडीक
जी तौ जाज्यै हूणिया भइ

बटाऊ ए बाण्यावाळा भी जबरा है
लावै कठै सू चुग-चुग
बैठै हाडो-हाड
दिनूगे आ'र ऊभो
देखलै सूई सिञ्झ्या पडगी
रासन कसौ क हाथ लाग जावै
ओ पीसणो तो रोज रौ
तनै ई धूणी माथै
बड-बडते देख्यौ, बकारचौ
तू तो फगग फगग बोलारा

बैराग्या जेडी
बाण्या बोलै
ग्यॉन री मंमा अवूती
लावा-लावा धोक •
ओ कुण है··· ओ·
मोगा मटी सौ
तूई भगत बणाण लाग्यो कई

हूणियो बाको वाळ थारो
ओ तो नाटकिया री बेली
पूछै है
म्हारी जात-गोत-नाव
म्हनै परचा बैठा'र
तमासो करसी चोभाटे
मिनख देखसी
देख वजासी ताळया हूऽऽऽ

हामजी एक वात तो बता हूणिया
तू बोल्यौ होनी
हूणिये विना नी होया
ना होवे कैरा ई तमासा
म्हे रमता तो बाळी देखी
घूमर नोटक्या देखी
बोलते पडदे माथै
नित नूवौ सनीमा देखू
पण म्हनै तो
कठंई नी दीस्यौ
तू बतावै जिको हूणिया

हूणियो तो तू कुण है पछं
लाट साब--

रौ जायोडौ'क
रँगगी कच्ची रिगस
थारी अकल
कतरी वार क्यौ तनै
आखी दुनिया मे
सगळा सू वेसी डूणिया

डामजी पण म्हे नी जाणू वानै
वे म्हनें नी जाणै
काकर हुइजै अड-भरू

डूणियो तू नी जाणै डुणिया नै
डूणिया तनै नी जाणै
आ तो सैणारी सैणाई'क
डूणिया रै
काच नी लागै कदै हाथ
नी देखलै कदै
खुदराई डोळ
रवताई जावै कौतक
चतर सुजाण
कदं नी डाण दैणौ सजोग
सगळाँ डूणिया रौ
आपाँ डूणियाँ नै
ज्याँ-ज्याँ नचावै
राज पइसौ
उघाडा राख लीलाँ उपाडै
की तो लियाँ फिरै
अतस री दीठ आळा,
कमतरिया आखराँ रा
उठायौ जियाँ

चिल्ली रौ पाब्लो
तुरकी रौ हिकमत
पेरिस रै सेजान रगिया
दोरप रा सगळा रग
आपा माथै

अघोरी सुण-सुण देखता
तपिया उकळिया
उफाणौ खा'र साटग्या गलीचा
उतारग्या भोडळ
राज रै चेरौं सू
तत्ता हुयौडा हूणिया
काधै उठायाँ फिरिया
पेमनद-मजाज-फैज
याँ सू उतरियौ भारो
हाथाँ-हथाळी ले'र चालै
नूवा लिखारा·· ई खातर ई भटका मारा
मुवादेवी री मुबई
काळी माई री हवडा रेल सू पूगाँ
ढीन्ने खीला आळी दिल्ली
पछवा चालता-चालता
'आ रम्माँ वीकाणै'

नाटकिया-1 कितनी बार सुना-बाँचा है
थोडा तो भारी है
नगा नायक· पर
और पात्र तो दब जाते हैं

नाटकिया-2 कुछ सवाद अधिक कडवे हैं
निखर नही पाएगा अभिनय

भले हमारे कलाकार
पूरा दम मारे

नाटकिया-1 नाम भी तो रखा हूणिया
हूणिया ·····'अगली' लगता है
निरा अटपटा
नही जमेगा
पब्लिक के होठो पर

नाटकिया-2 'कन्वे' भी होना है मुश्किल
उलझ गई है 'थीम'
खेल दिया तो ··········
अखबारो मे रगडाई होगी

नाटकिया-1 दूसरा 'शो' 'शो'···फिर
घाटा तो सहले पर
'पबलीसीटी' भी तो
बहुत बडा माने रखती है

नाटकिया-2 तब इसे छोड दें
लिखवा लाए नया श्री गजब से
चले अभी ही············ ··

हूणिया ऐह हा कई
थारा नाटकिया बेलो
निरा मुलकिया लाग्या
ले चटखारा
वात्या रा कारीगर उठग्या
पल्ला झाड'क
कसनो लागे
कै आचो ताणो हूणियो

ह्यामजी हा भइ, हा तो ऐई
पण आ तो ऊभा-ऊभा वाता करी

गयाई परचा
नाटक तो कियोई कौनी

हूणियो थारा ए वेली तो
ग्यारसिया-वारसिया लाग्या
ए के करसी
आज तो हूई सुणासू तनै
बाजर रै खीच
खोखा भुजिया
पापड जेडोई ट्यात
धोरा निवायौ
हरखूजी *बखाणियौ* हूणियो
ठैर, तू अठै हो वैठ
हू ओ गयौ'र
ओ आयौ
अठैई रयै भला जाए न हाऽऽऽ

हरखू जी ! ओ हरखूजी !
सूई सिड्याई
नीदचा सुडकावै दीसै
हरखू जी ! ओ हरखूजी · ! ओ··

लिखारोजी कुण है कुण है भाई···

हूणियो ओ तो हूँ हूणियो हू, आडो खोलो···आडो

लिखारोजी हूणियो ! कुण हूणियो· ·!
कठै सू आयौ है भई
निरौ खथाळौ लाग्यौ
इसो कई काम पडग्यौ ·

हूणियो वस···थेई नी पिछाण्यौ म्हनै

नीद मे हा कईं···
हू हूणियो हू · बोई ··बोई ओ
जिकै नै क्दंई
होरी कैवो
गोवर गोवर हेला पाडो
पतो नी कतरा-कतरा
नाव राखो म्हारा
थे, थारी खाप रा लिखारा
पण रैवू हू तो हूणियोई

लिखारोजी अरे तू है के
आ भई आ ·वैठ
वोळा दिना सू आयो
एडो कई काम पडग्यो

हूणियो विना सुवारथ
कुण कैनै पूछै हरखूजी
थे वखाण्यो हो नी
एकर हूणियो······ ··
वूझा री वडी
सिणियां रै सूते रो
धोतियो पैरधा
काटा री पाळ ऊभो
माडघोडो वूक
पीवनो जातो काळ
वोई हूणियो
दे दो म्हनें थे आज
मैर रै चौकलिये
मोग्र सज्या मोटपारा
नाटर री पीनी है

म्हारो है रातवासा वठै
वे म्हनै परचा वैठासी
नी वणूला, दूध मे पडियौडी माखी
छाडू नी चौकलियो
हूई हुजासू नाटक
वाच सू, सुणा सू, देखू
किसो पत्ताळ लासी फोड
म्हारै परवार काई नाटक
बस म्हनै तो
छाणा चुगतौ एडया घसतौ
थारै लिख्यौडो हूणियो —

लिखारोजी थारो है ले लै तूई
थैई लिखायो, वाचै,
सुणाए, ओ लै पण
अबकै तो पाछा वेगो आए
सुणतां-सुणता
कती ठडी-ताती आंख्यां सू
देखै तनै लाग
वानै दखता तनै
कतरा वठीठा आवै
क हियो हवोळा खावै
मठोठी अमूजै हाथा
बीती वताणै आज्यै
आए भला भूल ना जाए

हूणियो हरखूजी रौ हूणियो
आ हरखूजी रौ हूणियो
भणै हूणियो सुणै हूणियो
हरखूजी रौ हूणियो

सुण रे हूणिया.........
म्हारो नांव हूणियो
हूं जुगां-जुगां सू हूणियो
रयो सइकां
पण नई जनम सू हूणियो
कदे कवीले रै सिरदारां
राजा पचा और ठाकरां
सेठां गरुआ अर वैपारयां
हाकम मीर मुसद्दी
कदे सुपाई' थाणेदारां
सगळां हाथ रळा'र
वणायो भूणियो
मरजी आई जियां फिरायो
जीतयो घूम्यो
मर-मर घूम्यो हूणियो
हूं हूणियो......
आं दे'र मिनख रो नांव
वणाया रारमौ दूणियो
भरताई आया टीपाटीप'क
ऊधोजण नै हवेल्यां गढ आगै
हू म्हारे आंगणिये
खड-खड खाली दूणियो
हू हूणियो......
बात वीतगी राजावां री
वांनै तो .....वांनै तो.........

गेरिया पैला राणी जामती
अव जामै सदूक ..फकीरा
राजा वेई राज
गाभा वदळया हूणिया...भइ

विना निसरणी रा वण्या
लोकराज रा मैल···फकीरा
देखै चकरीबव
तीस वरस सू हूणिया···भइ

पाँचं वरसे जेवडा
लटकं वजै चुणाव···फकीरा
लोकराज रै मैल
लूठा पूगै हूणिया भइ

अघोरो सुणलै हूणिया, सई वाण्या भी
कळपीजती वोलै ··हा तो हू
कठै वाचतो हो···
वात वीतगी राजावा री
वानै तो रातीदो आवै
पण आज आपणा राजा
नेता वजै चुणीज्या
मण-मण वोटा रा
ताज धरचौडा मतरी
आरै लारै
राज करणिया सतरी
डूवता सू नेग मागै
हवाजाज सू देखै
पाणी मे धरती डूबगी
जनता रै दुख सू मोटो दुख
कुण जाणै
कुण सोखो-दोखी
लारै सू ई तखत खीचलै
कूण भरोसो करै
वोट री आधी

दिखणादे जाती पूरखले पलटै
सत खुरसी रौ
साथ जिता दिन
परवारा री पूठ वाधता
लोक लाज रै
राजावा रा डोळ दखतौ हूणियो
ओ हूणियो   हू हूणियो
राज वळ वोट वळ
सबसू मोटो नाट वळ
विणज जावतौ वाप देयग्यौ
दखल राज मे
कैयौ हाथ पोलो कर
राजा लारै सेठ चालै
सेठ लारै राजा
खुलता जावै इया विया
कमज्या रा दरवाजा
इदर दूझै भूत कमावै
दूझै इदर भूत

गेरिया वळ पुरजा हाका करै
गोखै वया हिसाव फकीरा
फडकै जद-जद होठ
जडै विवाडा हूणिया भइ

हाका करता रा फटै
पेट काळजा राज फकीरा
वन्दूका कानून
तीजा देवै हूणिया भइ

हूणियो सत फरमाइ वाप जी मगाज
मयेर वन्नामि

बिना निसरणी रा वण्या
लोकराज रा मैल…फकीरा
देखैं चकरीबव
तीस वरस सूं हूणिया…भइ

पाँचैं वरसे जेवडा
लटकै वजैं चुणाव…फकीरा
लोकराज रैं मैल
लूठा पूगैं हूणिया' भइ

अघोरी सुणलै हूणिया, सई वाण्या भी
कळपीजती वोलैं हा तो हू
कठै वाचतौ हो…
वात वीतगी राजावा री
वानैं तो रातीदो आवै
पण आज आपणा राजा
नेता वजे चुणीज्या
मण-मण वोटा रा
ताज धरचौडा मतरी
आरै लारैं
राज करणिया सतरी
डूवता सू नेग मागै
हवाजाज सू देखै
पाणी मे धरती डूबगी
जनता रैं दुख सू मोटो दुख
कुण जाणै
कुण सोखो-दोखी
लारैं सू ई तखत खीचलै
कूण भरोसो करैं
वोट री आधी

थेइ देख्या'''म्हेइ देखू'''आरा तो
लाखा माथै रोख चालै
ठेका चालै ब्याज चालै
मील्या चालै मोटर चालै
मतरी सू हेत चालै
हाकम रै लगायोडो गेर चालै
सार्थै दवा डागधर चालै
सरकार सरक्ता की देर लागै
चित्याई चित्या खावै
वया फोरीजण
छापा रै सुपना सीजै
हडताला मे
रोज री कमाई छोजै
पेट री तात्या खोल
घेरे मजूर तो
ठिकाणा बदळै
सार्थै कूकरिया भाजै
भूखा री मजूरी सू
हाडा सू पसीणे सू
कुबधी री ठगाई सू
वाणीके री चतराई सू
सिंचीजती सेठाई री हेठाई सू
काळा-कोझा चितकबरा
नकसा देखे हूणियो
हू हूणियो

राजा रया न राणी
भरणोई पडियौ पाणी
ठरग्या ठाकर ठकराई

दोरी मार बखत री
बाजार बिकैली
भळै कदै सेठाई
खुरसी सू उतरचा मतरी
पापडिया पोवै
क्या धोय निचोवै
म्हारै सौ नागो हूणियो
ओ हूणियो'' हू हूणियो'''

गेरिया गोठ योजना री करै
सोनो रूपो राथ'''फकीरा
चाखण मे सौ जीम
झोळ पुरसदै हूणिया'''भइ

वटिया आलू प्याज सू
जगी जेट जहाज'''फकीरा
देखै आँख्यां फाड
हवा खाँवता हूणिया'' भइ

भापणआळी मील मे
रोज वुणीजै थान ''फकीरा
मर्मा आदमी दीठ
खफण लगोटी हूणिया'' भइ

हूणियो मिनखां रै पेटे मे
सिरै निखीजै
आगै वीडी नगरै री धोक थापजी'''
जूण नई भारो ढोवां हां
माऊ नैई भारां मारी'''
धन-धन तो या जामण'क

सठवाँ सूठ खाई
जेरा जायौडा पूताँ
मरणै स पैल तक
छाटी हक्माई
हाकम रौ जमारो अक्खो
छोटै सू मोटा
मोटै सू ऊचो हाक्म
एकै दूजै री पक्खा पक्खी
मानख रै कुनबे सू आज ताई
चाली चालै रे भाया
हाकम हिकमत री हकमाई
चालैली दडाछट
आगोतर ताइ आगोतर

गेरिया हाकम री हालै कलम
दिन रतीदो होय फकीरा
लुळ लुळ करै सलाम
रात तावडो हूणिया भइ

हाकम री आँख्या अजब
वाँचै घोर अधार फकीरा
तावडियै सौ साँच
लगै फारसी हूणिया भइ

हूणिया वोलै साच वोई न्याल वापजी !
म्हारी तो काळी कामर
चढै नी दूजौ रग
पण पीळ माथे लाल
गुलावी नीचै काळो चढाता
निराई दीसै
लोगाँ री खातर वणिये राज मे

नेतावाँ रा कानूनाँ रा
दसूई रग दीसँ
किरडो वदळँ सात रग
लाखाँ-लाखाँ मे लूठे
हाक्म रा हजार रग
खूजा मे भरिया राखै होकडा
धन त्रिसणू जी धन विरमा जी
वम-वम मा' देव
राज रो डडो
तीनाँ री मैमा अपरपार
एक मे तीन तीनूई एक
हाकम एकलो एकोहम

पडत ॐ पूर्णमद पूर्णमिद,
पूर्णात्पूर्णमुदच्यते,
पूर्णस्य पूर्णमादाय-
पूर्णमेवावशिष्यते

सगला सागै ओम हाक्म देवा प्रभु ओम हाक्म देवा

तू भैरु किरपाल'व छण टूठे रुठे
प्रभू छण टूठे-रुठे
हाजरिया नै पळ मे पडपोता देवा ओम

जका न समझै सेन्या नेग नई देवै
थारो नेग नई देवै
सडकाँ मायँ वाँरा तू लत्ता लेवा ओम

जका न मानै केणो सीध नई चालै
थारी सीध नई चालै
भलो भलो'रा वट काढो थे काढो कैवा·· ओम